संतान के लिए परपुरुष सहवास -2

“पति में कमी के कारण लेखिका ने गर्भधारण के लिए अपनी परम सखी से उसके पति की मदद मांगी जिसे उसकी सखी ने अपने पति से बात करके स्वीकार कर लिया और सारी बात हो गई। ...”

Story By: (tpl)
Posted: शनिवार, अप्रैल 30th, 2016
Categories: इंडियन बीवी की चुदाई
Online version: संतान के लिए परपुरुष सहवास -2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

संतान के लिए परपुरुष सहवास -2

कहानी का पिछला भाग : संतान के लिए परपुरुष सहवास -1

मैंने अनीता कहा- अनीता, उस पर-पुरुष को तुम जानती हो और इस पृथ्वी पर तुम्हीं एक इंसान हो जो उसे मेरे साथ सहवास करने के लिए सहमत कर सकती हो। तुम मेरे लिए भगवान हो और मेरी सहायता का आश्वासन देकर तुम मेरे सभी बिगड़े काम बना सकती हो। तुम्हारे द्वारा किया गया यह काम मेरे जीवन को खुशी और उल्लास से भर देगा।

मेरी बात पर झल्लाते हुए अनीता बोली- मुझे तुम्हारी कोई भी बात समझ नहीं आ रही, तुम सीधा सीधा यह बताओ कि तुम मुझसे क्या सहायता चाहती हो और वह पर-पुरुष कौन है ?
तब मैंने सीधी बात करते हुए कहा- अनीता, मैं तुमसे यानि कि अपनी छोटी बहन से अपने कुछ विशेष दिनों में तुम्हारे पति के कुछ समय के लिए भीख मांगती हूँ। मैं चाहती हूँ कि तुम मेरे उन विशेष दिनों में मुझे कुछ समय के लिए अपने पति के साथ सोने की अनुमति दे दो और उन्हें मेरे साथ सहवास करने के लिए राज़ी भी करो।

मेरी बात सुन कर अनीता तिलमिला उठी और गुस्से से ना जाने मुझे क्या क्या कहती हुई और पैर पटकती हुई अपने घर चली गई।
उसके बाद दो दिन तक हम दोनों में कोई मुलाकात नहीं हुई और हम दोनों ने एक सरे की शक्ल भी नहीं देखी।

तीसरे दिन सुबह जब मैं अपने पति को विदा करने के लिए बालकनी में खड़ी थी तब अनीता भी अपने पति को विदा करने बाहर आई।
दोनों पतियों के जाने के बाद जब मैं मुड़ कर अन्दर जाने लगी तब अनीता ने मुझे पुकारा-

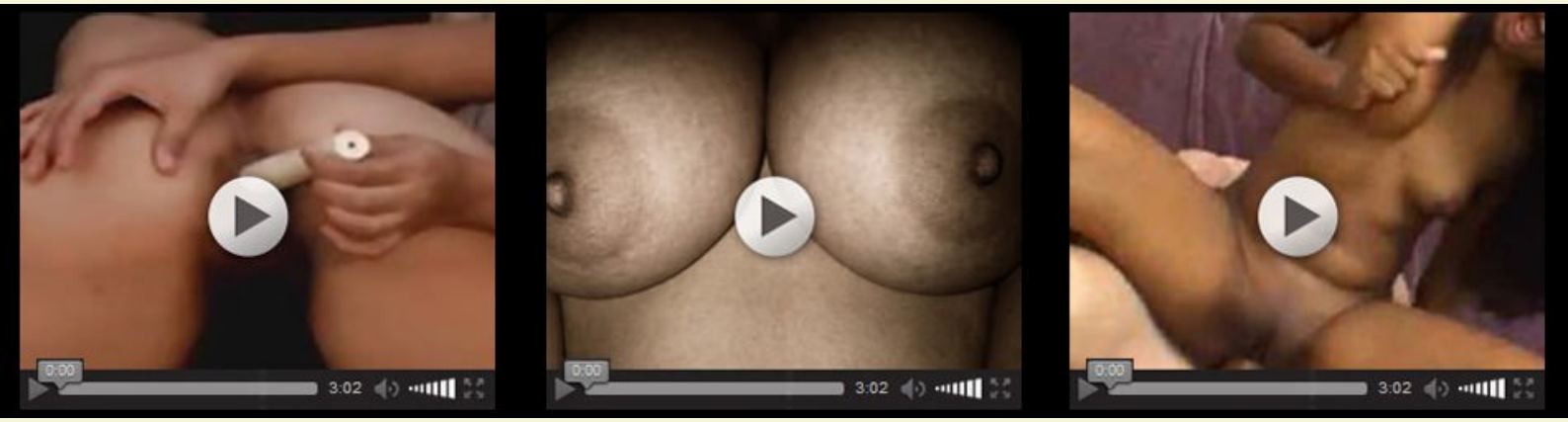

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अमृता, क्या तुम अभी इसी समय कुछ देर के लिए मेरे घर आ सकती हो, मुझे तुमसे कुछ आवश्यक बात करनी है।

मैंने 'अच्छा' कहा और उसी तरह घर बंद करके उसके घर चली गई।
अनीता जो अपने घर के दरवाज़े पर मेरा इंतज़ार कर रही थी ने मुझे गले लगा कर मेरा स्वागत किया और फिर खींच कर घर के अंदर अपने बेडरूम में ले गई।

कमरे में पहुँचते ही उसने एक बार फिर मुझे गले से लगाया और कहा- अमृता, मुझे उस दिन के लिए क्षमा कर देना। पता नहीं मुझे क्या हो गया था जो मैंने तुम्हें इतना बुरा भला कह दिया था।

मैंने कहा- क्षमा मांगने की कोई बात नहीं, ऐसा कई बार हो जाता है। मैं तो उस बात को भूल ही चुकी हूँ और अच्छा होगा की तुम भी उस दिन को भुला दो।
मेरी बात सुन कर अनीता बोली- उस दिन तुम्हें बुरा भला कहने के बाद मुझे बहुत बुरा लगा और मैं उस रात भर सोई ही नहीं। सुबह तडके जब संजीव जी की नींद खुली और मुझे जागते हुए देखा तब उनके पूछने पर मैंने उन्हें पूरी बात बता दी।

उसकी बात सुनते ही मैने चौंक कर पूछा- क्या..! क्या तुमने हमारे बीच हुई पूरी बात अपने पति को बता दी?
अनीता ने बड़े भोलेपन से कह दिया- हाँ, मैंने तुम्हारे और मेरे बीच हुई सभी बातें बता दी। मैं अपने पति से कुछ भी नहीं छुपाती इसलिए उनके पूछने पर मैं अपने को रोक नहीं सकी।

अनीता की बात सुन कर मन ही मन मुझे थोड़ी खुशी हुई की उसने बात आगे बढाने के लिए रास्ता खोल दिया था लेकिन झूठ-मूठ का गुस्सा दिखाते हुए मैं बोली- तुम भी पागल हो, क्या ऐसी आपस की बाते भी अपने पति से साझा करते है?

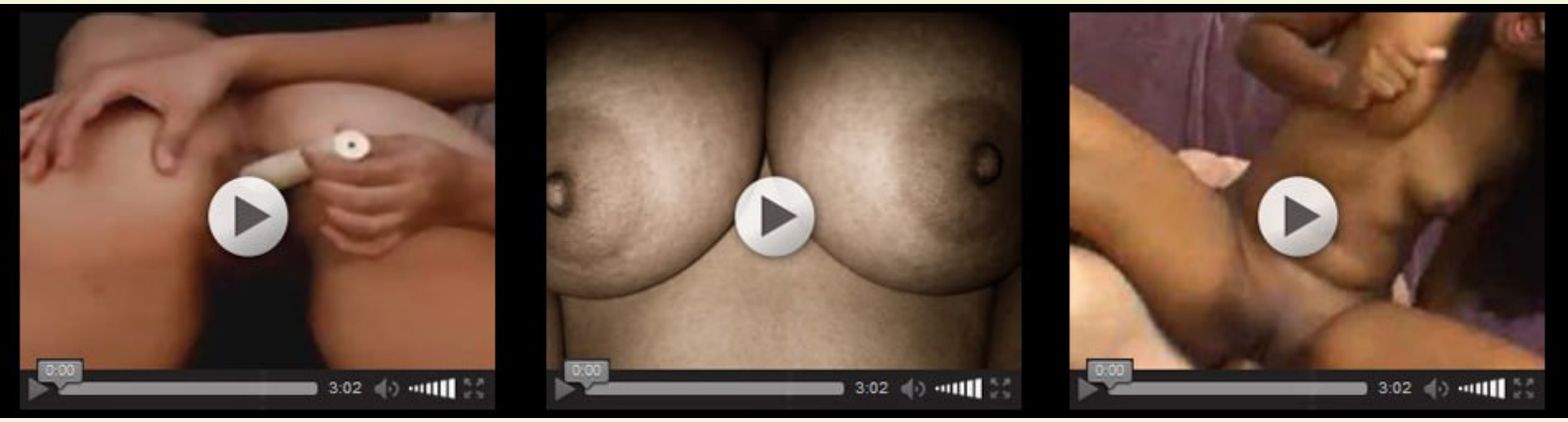

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसने तुरंत उत्तर दिया- अमृता, तुमने ही तो कहा था की मैं अपने पति को तुम्हारे साथ सहवास करने के लिए सहमत करू। अगर मैं उनसे बात करके उनको सब कुछ नहीं बताउंगी तो उन्हें राज़ी कैसे करुँगी ?

अनीता की बात सुन कर मैंने कहा- तो फिर बताओ तुमने अपने पति से मेरे बारे में क्या बातें करी ?
मेरे प्रश्न के उत्तर में उसने कहा- मैंने अपने पति को तुम्हारे बारे में सब कुछ बताया और तुम्हारे सबसे बड़े दर्द से उनको अवगत कराया। जब उन्होंने हॉस्पिटल में जा कर इलाज कराने की बात करी तब मैंने उनको उसके बारे में भी विस्तार से बताया। अंत में जब मैंने तुम्हारे पर-पुरुष सहवास के सुझाव के बारे में उनको बताया तो वह भी मेरी तरह झल्ला उठे और मेरे ऊपर ही बरस पड़े।

फिर अनीता बिना रुके बोली- उसके बाद मेरे पति ने दो दिन तक मुझसे कोई बात नहीं करी और मेरे साथ संसर्ग भी नहीं किया। बीती रात जब मैंने उनके साथ ज़बरदस्ती संसर्ग किया तब उसके पश्चात ही उन्होंने तुम्हारे बारे में आगे कुछ बात करी। उन्होंने तुम्हारी सास और पति के रूढ़ीवादी विचारों का उत्तर देने के तुम्हारे पर-पुरुष सहवास वाले सुझाव को सही बताया।

मैंने उससे पूछा- क्या तुम्हारे पति में मेरे साथ सहवास करने का मेरा प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है ?
मेरी बात के उत्तर में अनीता ने कहा- नहीं, अभी नहीं, पहले तो मैंने उन्हें सिर्फ तुम्हारे सुझाव के बारे में ही बताया था। जब उन्होंने तुम्हारे द्वारा सुझाये गए पर-पुरुष के बारे में पूछा तब उन्हें तुम्हारा प्रस्ताव बताया था।

मैंने जिज्ञासावश पुछा- अनीता, मेरा प्रस्ताव सुन कर तुम्हारे पति ने क्या कहा ?
अनीता बोली- अमृता, तुम्हारा प्रस्ताव सुन कर मेरे पति कुछ देर के लिए तो बिल्कुल चुप

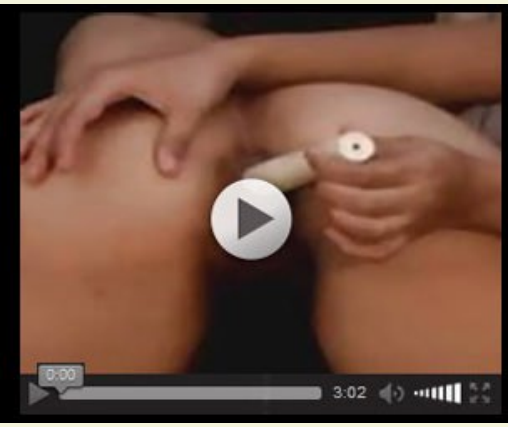

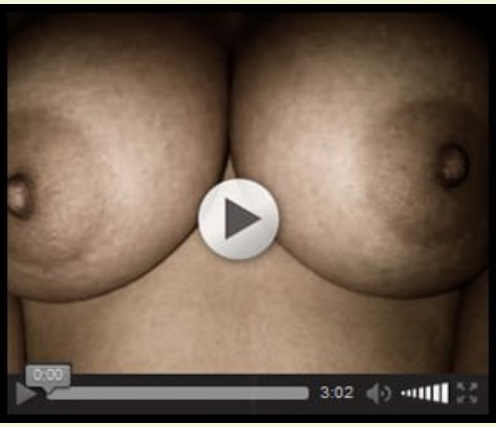

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हो गए थे लेकिन बाद में उन्होंने मुझसे ही पूछ लिया कि क्या मैं उन्हें तुम्हारे साथ सहवास करने की अनुमति दे दूंगी।

मैंने उत्सुक होते हुए झट से पूछा- अनीता तुमने अपने पति से क्या कहा ? मुझे मालूम है कि किसी भी स्त्री के लिए उसके पति का किसी पर-स्त्री से सम्बन्ध सहन करना बहुत कठिन होता है। लेकिन मुझे तुम पर असीम विश्वास है कि तुमने अपनी सहमति अवश्य ही दे दी होगी।

मेरी बात सुन कर अनीता बोली- अमृता, तुमने सही कहा है कि किसी भी स्त्री के लिए ऐसा निर्णय लेना बहुत कठिन होता है लेकिन मैंने तुम्हारे हालात को ध्यान में रखते हुए अपने मन पर भारी सा पत्थर रख दिया और अपने पति को सिर्फ तुम्हारे साथ ही सहवास पर कोई आपति नहीं करने की बात कह दी।

उसकी बात सुन कर मैंने उसे आगोश में ले कर बोली- अनीता, तुम सच में मेरी छोटी बहन से भी बढ़ कर हो। तुमने यह सहमति दे कर मुझ पर एक बहुत बड़ा एहसान किया है जिसे मैं पूरे जीवन भर तुम्हारी गुलामी करके भी नहीं उतार सकती।

फिर मैं अनीता के पांव पकड़ कर उन्हें चूमने लगी और जब उसने मना किया तब मैंने कहा- मेरा तो मन कर रहा है कि मैं रोज़ सुबह उठ कर सबसे पहले इन्हें अपने हाथों से धोकर उस पानी को पीऊँ और तुम इसे चूमने को भी मना कर रही हो। अच्छा, यह तो बताओ कि तुम्हारी अनुमति मिलने के बाद तुम्हारे पति ने क्या कहा ?

अनीता बोली- मेरी बात सुन कर मेरे पति ने कहा कि वह अपना निर्णय देने से पहले एक बार तुमसे बात करना चाहते हैं इसलिए क्या तुम उनसे बात करने के लिए आज रात को हमारे घर आ सकती हो ?
अनीता की बात सुन कर मैं कुछ विस्मित हो कर बोली- उन्हें मुझसे क्या बात करनी है ?

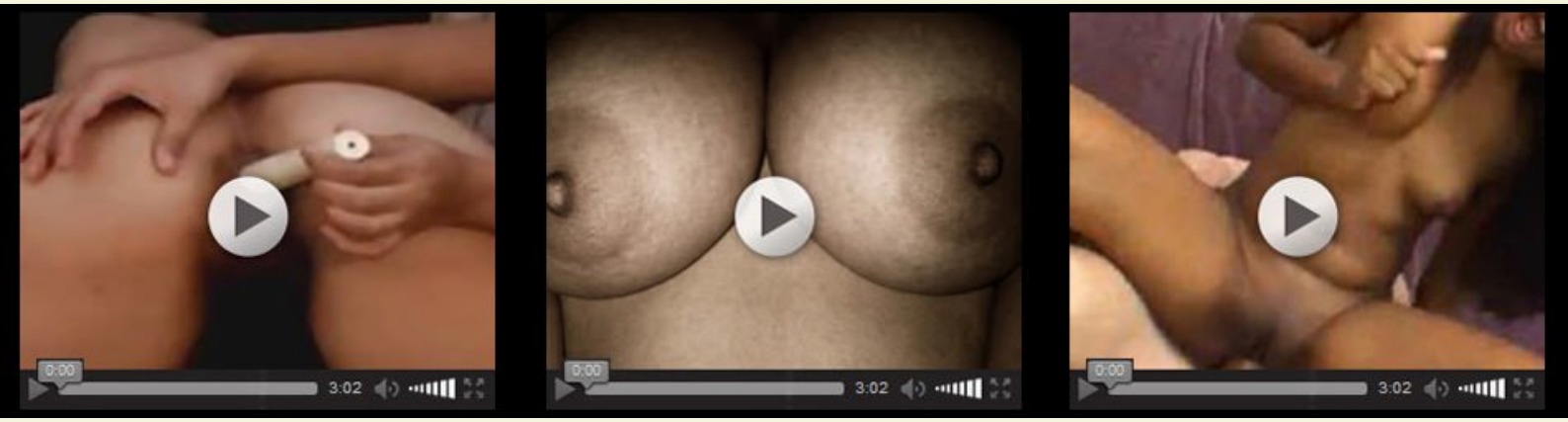

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी ओर से भेजा गया प्रस्ताव ही मेरी सहमति के लिए काफी है। फिर रात में तो मेरे पति भी घर पर होंगे और उनके बिना तुम्हारे घर आना मेरे लिए असम्भव होगा।

मेरी बात सुन कर अनीता बोली- अमृता, मुझे नहीं मालूम कि मेरे पति तुमसे क्या बात करना चाहते हैं। यह तो उनसे मिलने के बाद ही तुम्हें पता चलेगा। जब उन्हें तुम्हारे साथ सहवास करना है तब तो उनका पूरा हक बनता है तुमसे अकेले में उस बारे में बात करने का। हो सकता है कि वह उस क्रिया से पहले अपना और तुम्हारे संकोच दूर करना चाहते हों!

तभी अनीता के कमरे की खिड़की में से मुझे मेरे पति घर को ओर आते हुए दिखाई दिए तो मैं चिंतित सी भाग कर उनसे पहले घर पहुँच गई।
जब उनसे जल्दी घर आने के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि कम्पनी में एक नई मशीन आई थी जिसे स्थापन और चालू करने के लिए उन्हें अगले तीन सप्ताह के लिए रात की पारी में जाना पड़ेगा।

मैंने जल्दी से कुछ खिला पिला कर कर सोने दिया और वापिस अनीता के घर जाकर उसे बता दिया कि मैं उस रात को दस बजे के बाद ही आ पाऊँगी।
उसके बाद कुछ देर अनीता के साथ बैठ कर इधर-उधर की बातें करने के बाद मैं अपने घर वापिस आ गई।

रात को साढ़े नौ बजे पति के जाने के बाद जब मैं दस बजे अनीता के घर पहुंची तब उसके पति संजीव ने दरवाज़ा खोला और मुझे देखते ही कहा- आओ अमृता, अंदर आ जाओ। हम तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहे थे।
फिर बैठक में रखे बड़े सोफे पर मुझे बैठने के लिए कह कर वह मेरे पास ही बैठते हुए जोर से बोले- अनीता, अमृता भी आ गई है, उसके लिए भी कॉफ़ी लेती आना।

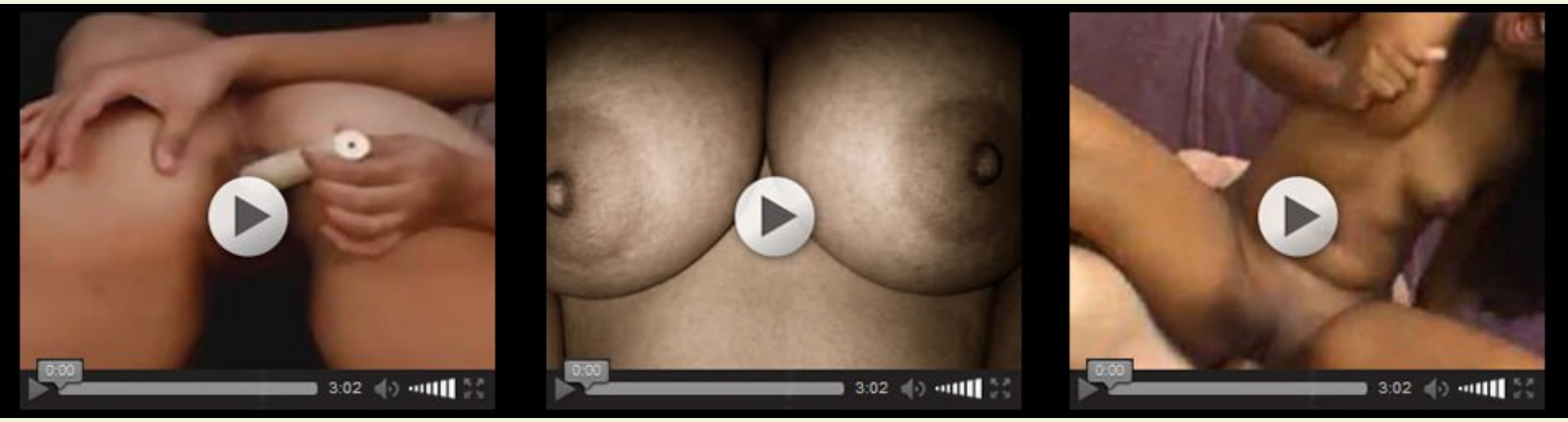

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

थोड़ी देर बाद अनीता कॉफ़ी ले कर बैठक में आई और उसने संजीव और मुझे कॉफ़ी दे कर अपना कप लेकर संजीव के दूसरे ओर बैठ गई।
संजीव ने कॉफी का एक घूंट भरते हुए कहा- अनीता, क्या तुम एक बार फिर से अमृता का प्रस्ताव बताओगी।
अनीता ने एक बार फिर मेरी दुविधा, सुझाव और प्रस्ताव का विवरण विस्तार से बोल दिया जिसे सुनने के बाद संजीव ने मेरे पास सरकते हुए कहा- अमृता, क्या अनीता ने जो कहा है वह सच है और तुम अपने प्रस्ताव पर अभी भी अडिग हो ?

मैंने संजीव की आँखों में आँखें डालते हुए कहा- हाँ, अनीता ने जो भी कहा है वह सत्य है और मैं अभी भी अपने प्रस्ताव पर अडिग हूँ।इसके अलावा मेरे पास और कोई अन्य विकल्प भी नहीं है।
मेरी बात सुन कर संजीव बोला- मुझे विश्वास है कि अपनी दुविधा को सुलझाने के लिए अवश्य ही सोच समझ कर यह प्रस्ताव दिया होगा। मैं तो सिर्फ यह जानना चाहता हूँ कि तुमने हमें ही यह प्रस्ताव क्यों दिया और किसी को क्यों नहीं दिया ?

मैं संजीव से ऐसे ही प्रश्न के लिए तैयार थी, इसलिए तुरंत बोली- ऐसे प्रस्ताव मेरे जीवन को नर्क बना सकते हैं इसलिए यह हर किसी को नहीं दिया जाता है। मेरे लिए आप दोनों बहुत बुद्धिमान एवं विश्वसनीय इंसान हो इसीलिए मैंने यह प्रस्ताव आपके समक्ष रखा है। अगर आपको मेरा प्रस्ताव ठीक नहीं लग रहा है तो आप इसे अभी इसी समय अस्वीकार कर दीजिये। मैं और प्रतीक्षा नहीं कर सकती क्योंकि मैंने अपने जीवन में आने वाले असीमित दुखों को झेलने के लिए तैयारी भी करनी है।

संजीव ने मेरे बहुत करीब आते हुए पूछा- अमृता, क्या हमारे द्वारा तुम्हारा प्रस्ताव अस्वीकार करने के बाद तुम यह प्रस्ताव किसी और के पास नहीं ले कर जाओगी ? क्या तुम्हें हम पर विश्वास है कि हम तुम्हारी इस बात को किसी और के साथ साझा नहीं करेंगे ?

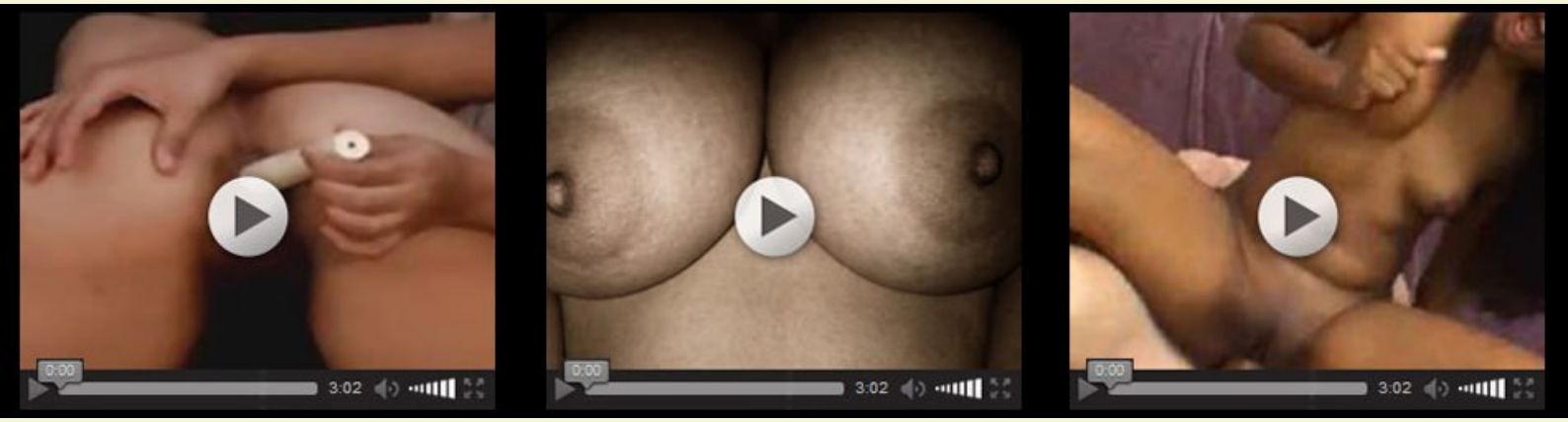

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने खड़े होते हुए कहा- नहीं, कदापि नहीं। मैंने यह प्रस्ताव सिर्फ आपके लिए ही सोचा था और किसी के लिए नहीं। मुझे अनीता पर अपने से अधिक विश्वास है कि वह मेरी यह बात आपके अलावा किसी ओर से साझा नहीं करेगी और आप अनीता की अनुमति के बिना इस बात पर कोई चर्चा भी नहीं करेंगे।

संजीव ने खड़े होकर मेरे कन्धों पर हाथ रखते हुए मुझे बैठने को कहा और अनीता से पूछा- अनीता, तुम क्या कहती हो इस प्रस्ताव के बारे में ? हमें इसे क्या करना चाहिए – स्वीकार या अस्वीकार ?
इस अचानक पूछे गए प्रश्न से अनीता सकते में आ गई लेकिन फिर अपने को सम्भालते हुए कहा- जैसा आप ठीक समझे। मुझे आपके द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय पर कोई आपत्ति नहीं होगी।

फिर मेरी ओर मुख करते हुए संजीव बोला- अमृता, मैंने तुम्हारी दुविधा और उसके संदर्भ में ही तुम्हारे प्रस्ताव पर बहुत सोचा है और उसे स्वीकार करने के लिए मेरी कुछ शर्तें हैं, मैं तुम्हें वह शर्तें अभी बता देता हूँ और तुम उन पर अच्छे से विचार करके अपना पक्ष बता देना।

उसके बाद संजीव ने पहली शर्त बताई- अगर सहवास के दौरान अनीता पर कमरे में आने जाने की कोई पाबंधी नहीं होगी तभी वह मेरे साथ सहवास करना स्वीकार करेगा।

दूसरी शर्त बताई- सहवास सिर्फ रात में दस बजे के बाद और सुबह पांच बजे से पहले ही होगा और पांच बजे मुझे अपने घर चले जाना अनिवार्य होगा।

तीसरी शर्त बताई- इस सहवास से मुझे गर्भ ठहरे तो ठीक है और अगर गर्भ नहीं ठहरेगा तो भी इसके लिए संजीव को कदापि उत्तरदाई नहीं समझा जाएगा।

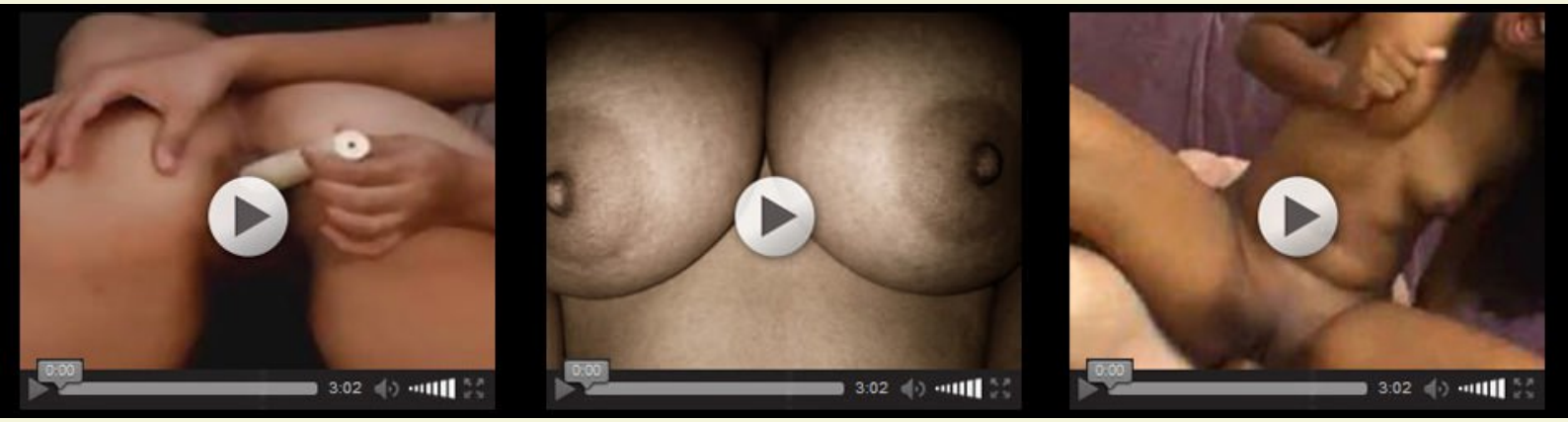

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चौथी शर्त बाताई- इस सहवास के दौरान मुझे या संजीव में से किसी को भी अगर कोई असुविधा या क्षति होगी उसके लिए वह खुद ही उतरदाई होगा।

पांचवी शर्त बताई- यह सहवास एक समय-बध कार्यक्रम के अनुसार केवल मुझे गर्भ ठहरने तक ही जारी रहेगा तथा उसके बाद हम दोनों में से कोई भी ऐसी क्रिया के लिए फिर कभी नहीं कहेगा।

इसके बाद संजीव ने कहा- इन पांच शर्तों के बारे में अच्छे से सोच कर हमें बता देना, फिर आगे बात करेंगे।
मैंने तुरंत ही उत्तर दिया- इनके बारे में सोचना क्या, यह तो सभी मुझे स्वीकार्य हैं। लेकिन मुझे आप दोनों से एक वचन चाहिए किआप इस सहवास के बारे में सभी बातों को जीवन भर अपने तक ही सीमित रखेंगे और किसी से भी साझा नहीं करेंगे।
दूसरी बात यह है कि इस सहवास से होने वाली संतान पर सिर्फ मेरा ही अधिकार होगा और आप दोनों उस पर कभी भी कोई दावा नहीं करेंगे।

मेरी बात सुन कर संजीव ने अनीता की तरफ देखा और उसके सर हिलाने पर कहा- अमृता, तुम्हारी दोनों बातें बिल्कुल न्यायसंगत हैं और हम दोनों को स्वीकार्य है।
इसके बाद अनीता उठ कर बोली- चलो, सब बातें तय हो गई हैं तो अब एक एक कप कॉफ़ी और हो जाए।

मेरे और संजीव के हाँ कह देने पर जब अनीता रसोई में चली गई तब संजीव मुझसे बोला- अमृता, मैं एक बात तो तुमसे कहना भूल ही गया था। देखो अब हम दोनों कुछ दिनों के बाद तुम्हें गर्भवती करने के लिए यौन संसर्ग करेंगे इसलिए मैं चाहूँगा कि तुम मेरे लिंग को अच्छे से देख-परख लो। अगर तुम्हें लगे कि वह तुम्हें स्वीकार्य नहीं है तो साफ़ साफ़ बता देना हम इस सहवास का कार्यक्रम अभी रद्द कर देंगे।

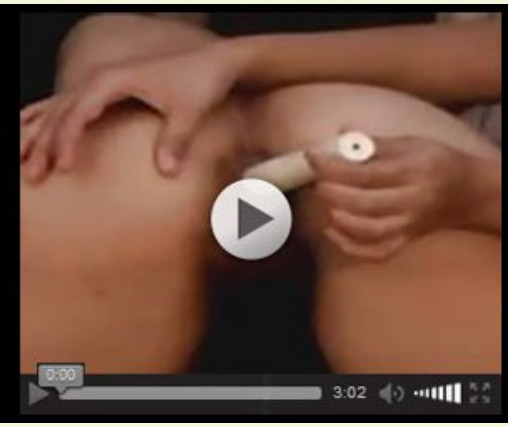

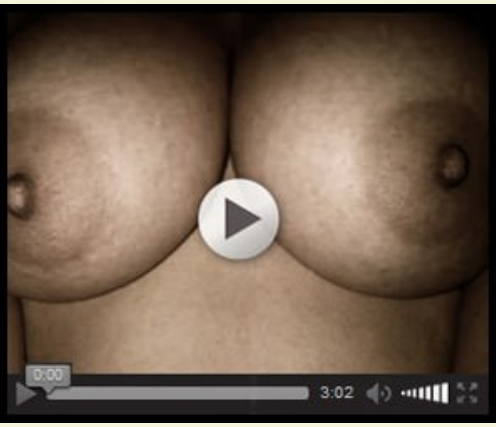

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

संजीव की बात सुन कर मुझे भी जिस लिंग से संसर्ग करना है उसे देखने की लालसा जाग उठी तब मैंने उसे लिंग दिखाने के लिए हाँ कह दी।

मेरी ओर से हाँ सुन कर संजीव ने खड़े हो अपना पजामा नीचे किया और अपने लिंग को मेरे सन्मुख पेश कर दिया।
उसके तने हुए लिंग देख कर एक बार तो मैं चौंक गई क्योंकि उसका लिंग लगभग सात से साढ़े सात इंच लम्बा था और ढाई इंच मोटा था तथा उसका लिंग-मुंड तो तीन इंच मोटा था।

मेरे पति का लिंग लम्बाई में तो सात इंच का है लेकिन लिंग-मुंड सहित उसकी मोटाई सिर्फ दो इंच ही है।
इतने में रसोई से अनीता के आने की आहट सुन कर संजीव ने अपने पजामे को झट से ऊँचा कर के लिंग को अन्दर किया और सोफे पर बैठ गया।

अनीता ने हम दोनों को कॉफ़ी दी और फिर संजीव से चिपक कर बैठती हुई बोली- अमृता, अब तो थोड़ा मुस्करा दो और अपने चेहरे से चिंता की रेखाएं हटा लो। संजीव ने तुम्हारी समस्या को तुम्हारी इच्छा अनुसार हल कर दिया है अब यह तो बता दो कि सहवास कब करना है?

मैंने अपने चेहरे पर थोड़ी सी मुस्कराहट लाते हुए कहा- कल मेरी लाल झंडी का आखरी दिन है।, उसके आठ दिनों के बाद से मेरी अण्डोत्सर्ग अवधि शुरू हो जायेगी। इसलिए हमें आठवें दिन से सहवास तो शुरू करना पड़ेगा और वह अगले आठ दिनो तक हर रोज़ चलेगा। लेकिन अगर आप दोनों की अनुमति मिल जाए तो मैं चाहूंगी कि मैं आपके साथ सातवें दिन से ही संसर्ग शुरू करके अगले दस दिन तक करती रहूँ।

संजीव ने पूछा- अमृता, तुम दो दिन अधिक सहवास क्यों करना चाहती हो?

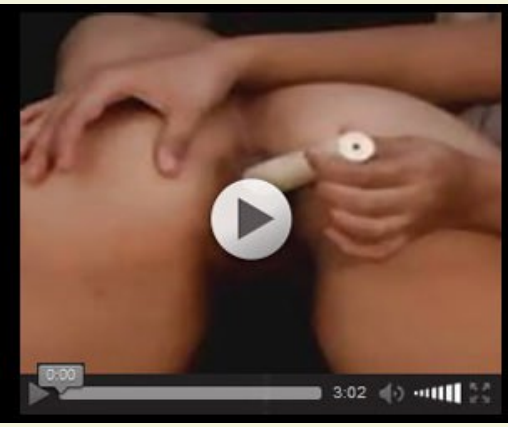

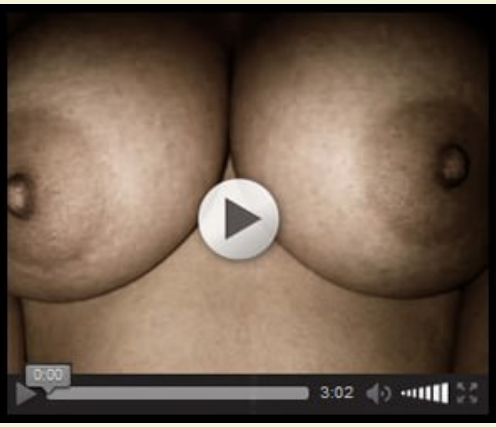

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने उत्तर दिया- संजीव जी, मैं कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती हूँ इसलिए दो दिन अधिक सहवास कर के यह सुनिश्चित करना चाहती हूँ कि मैं इसी सहवास में गर्भवती अवश्य हो जाऊँ।

मेरी बात सुन कर अनीता बोली- अमृता, उन दिनों में तुम अमित जी से क्या कह कर यहाँ आओगी ?
उसकी बात सुन कर मैं बोली- मैं आप दोनों को यह बताना तो भूल गई थी कि इश्वर की कृपा में से मेरी वह समस्या भी हल हो गई है। भाग्यवश कंपनी में एक नई मशीन को स्थापित करने से लेकर चलाने तक की प्रक्रिया के लिए अमित को लगभग अगले एक माह तक रात्रि की पारी में जाना पड़ेगा। मैंने उसे कह दिया है कि अगर रात को मुझे अकेले सोने में भय लगेगा तो मैं अनीता के पास सोने चली जाऊँगी या फिर उसको अपने पास बुला लूंगी।

उसके बाद जब मैं घर जाने के लिए खड़ी हुई तब अनीता बोली- संजीव, जैसे की अब सभी बाते तय हो गई हैं इसलिए अब आप दोनों को गोपनीयता की शपथ ग्रहण कर लेनी चाहिए।
अनीता की बात सुन कर मैंने तुरंत कहा- हम दोनों को नहीं बल्कि हम तीनों को यह शपथ ग्रहण करनी चाहिए।

तब संजीव बोला- अनीता, मेरे ख्याल से अमृता सही कह रही है तुम्हें भी हमारे साथ शपथ ग्रहण करनी चाहिए। लेकिन हमारे घर में भागवत गीता तो है नहीं फिर हम किस वस्तु पर हाथ रख कर शपथ ग्रहण करेंगे ?
अनीता बोली- क्यों न हम पूर्ण नग्न होकर एक दूसरे के गुप्तांगों पर हाथ रख कर यह शपथ ग्रहण करें ?
अनीता की बात सुन कर संजीव ने कहा- मैं तो अनीता के सुझाव से सहमत हूँ और मैं तो

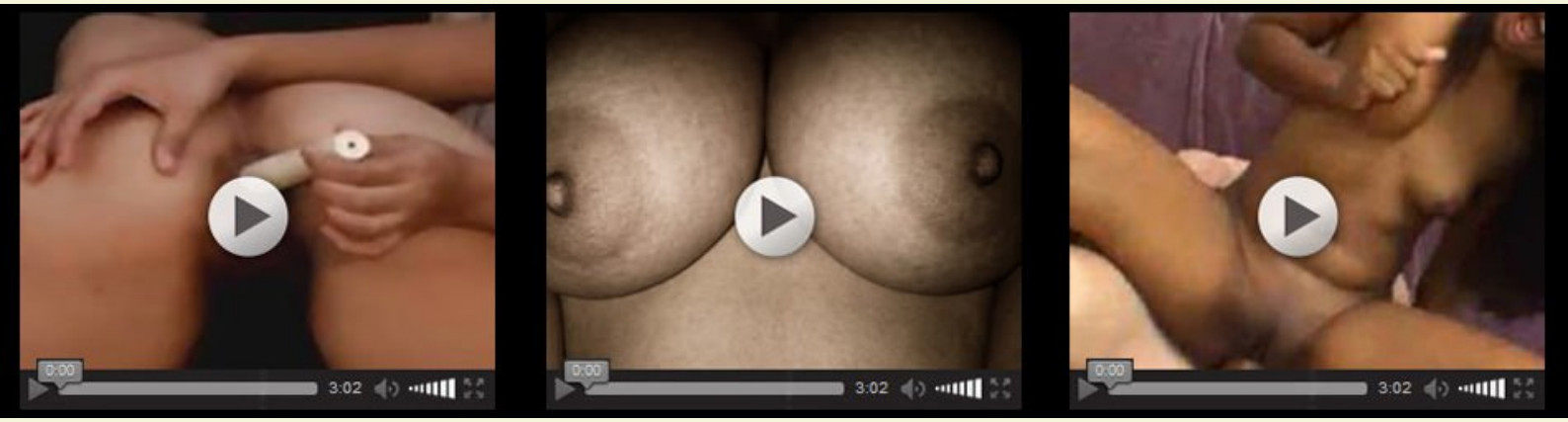

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपने कपड़े उतारना शुरू करता हूँ।

इतना कह कर संजीव ने अपना कुर्ता उतार कर सोफे पर फ़ेंक दिया और अनीता एवं मुझसे से बोला- तुम दोनों अब किसकी प्रतीक्षा कर रही हो जल्दी से अपने कपड़े उतारना शुरू कर दो।
संजीव की बात सुन कर अनीता ने मुस्कुराते हुए अपनी नाइटी सिर के ऊपर करके उतारी और सोफे पर फ़ेंक दी।
क्योंकि अनीता ने नाइटी के नीचे कुछ भी नहीं पहना था इसलिए उसे उतारते ही पूर्ण नग्न हो गई थी।

तब संजीव ने मेरी और देख कर कहा- अमृता, क्या मैं तुम्हारी कोई मदद कर सकता हूँ?
मैंने तुरंत नहीं कहते हुए अपनी नाइटी ऊँची की और सिर के ऊपर से उतार कर सोफे पर रख दी।
क्योंकि मैंने लाल झंडी के कारण नाइटी के नीचे पैंटी पहनी हुई थी इसलिए मैं अर्ध नग्न ही हो पाई थी।

तब अनीता ने हँसते कहा- मैं तो पूर्ण नग्न हूँ और तुम दोनों ने एक एक वस्त्र पहना हुआ है इसलिए अब तुम दोनों एक साथ ही अपने वस्त्र उतारो। मैं तीन तक गिनती हूँ और देखती हूँ की कौन पहले नग्न होता है।
और फिर बिना रुके अनीता बोली- रेडी, एक… दो…. और तीन….

जब तक अनीता ने तीन बोला तब तक तो संजीव ने अपना पजामा उतार कर सोफे पर फेंका और पूर्ण नग्न हो कर मेरे पास आकर मेरी पैंटी उतारने में मेरी मदद करने लगा।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

किसी पर-पुरुष के सामने निर्वस्त्र होते हुए मुझे पहले तो कुछ संकोच हुआ लेकिन फिर मैंने

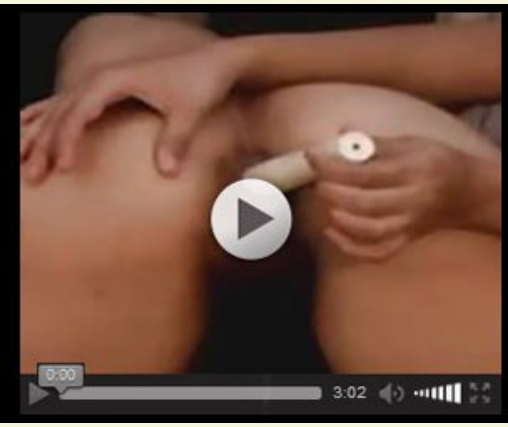
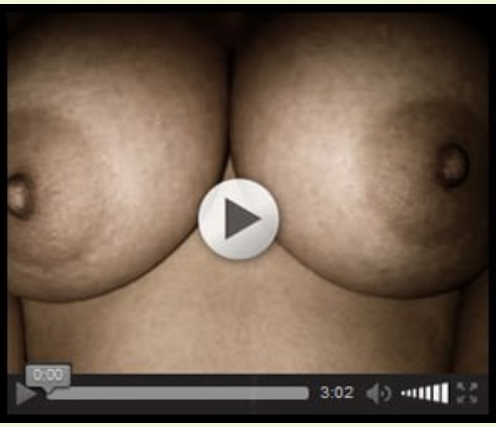

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपने मन को समझाया कि कुछ दिनों के बाद संसर्ग के लिए तो संजीव के सन्मुख पूर्ण नग्न होना ही पड़ेगा।

पूर्ण नग्न होने के बाद अनीता ने अपना एक हाथ संजीव के लिंग पर रख दिया और दूसरा हाथ मेरे एक स्तन पर रखा।
फिर संजीव ने अपना एक हाथ अनीता योनि पर रख दिया और फिर मुझे अपने पास बुला कर अपना दूसरा हाथ मेरे दूसरे स्तन पर रख दिया।

इसके बाद मैंने अपना एक हाथ अनीता के दूसरे स्तन पर रख कर उन दोनों की ओर देखा तो अनीता बोली- अब क्या देख रही हो ? देर मत करो और जल्दी से मेरे हाथ में पकड़े हुए संजीव के लिंग के लिंग-मुंड को पकड़ लो।
जैसा अनीता ने कहा, मैंने वैसा ही किया तब अनीता ने शपथ बोली और संजीव और मैंने उसके पीछे पीछे दोहरा दी।

शपथ ग्रहण होते ही अनीता ने मेरे स्तन से हाथ हटा कर नीचे बैठ गई और संजीव के लिंग-मुंड से मेरा हाथ हटते ही उसे अपने मुँह में छुपा लिया।
संजीव का लिंग अनीता के मुँह में जाते ही उसने अनीता के स्तन से अपना हाथ हटा कर मेरे दोनों स्तनों को पकड़ कर मसल दिया।
मैं दर्द से कहराते हुए अपने को उससे छुड़ाते हुए जल्दी से अपनी पैंटी और नाइटी उठा कर दूर हो गई और उन्हें पहनने लगी।

मुझे ऐसा करते देख कर अनीता और संजीव भी अलग हो गए और अपने अपने वस्त्र पहन लिए तथा मुझे विदा करने के लिए अपने घर के दरवाज़े तक आये।

अपने घर जा कर देखा तो घड़ी पर बारह बज चुके थे इसलिए मैं बिस्तर पर सोने के लिए में लेट गई।

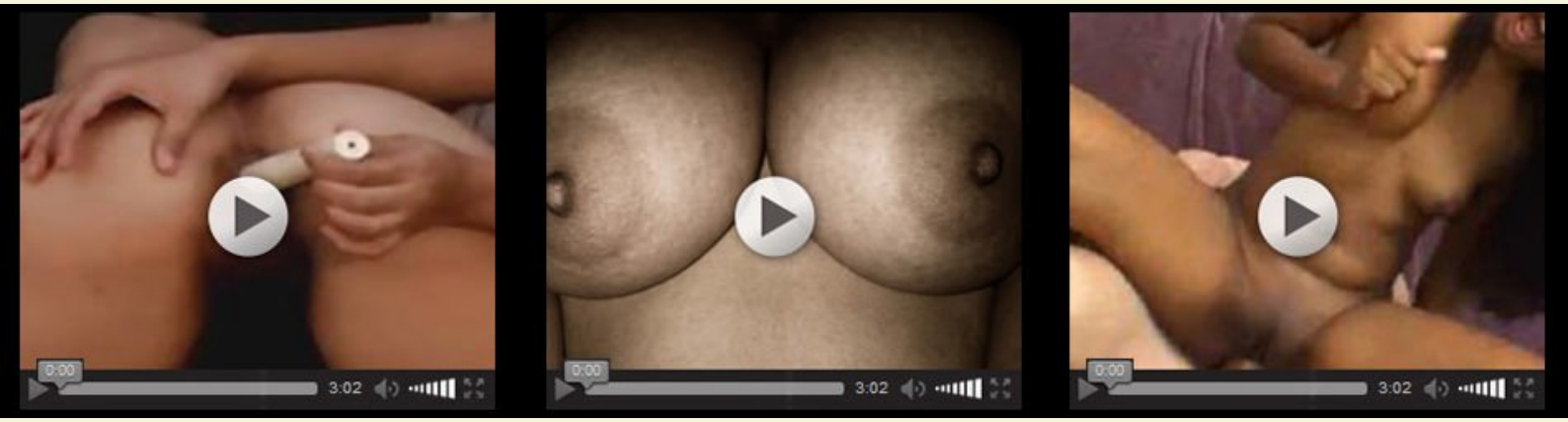

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

क्योंकि मेरी समस्या हल हो चुकी थी और मन शांत था इसलिए पता ही नहीं चला कि मुझे कब नींद आ गई।

कहानी जारी रहेगी।

tpl@mail.com

trishnaluthra@gmail.com

कहानी का तीसरा भाग : संतान के लिए परपुरुष सहवास -3

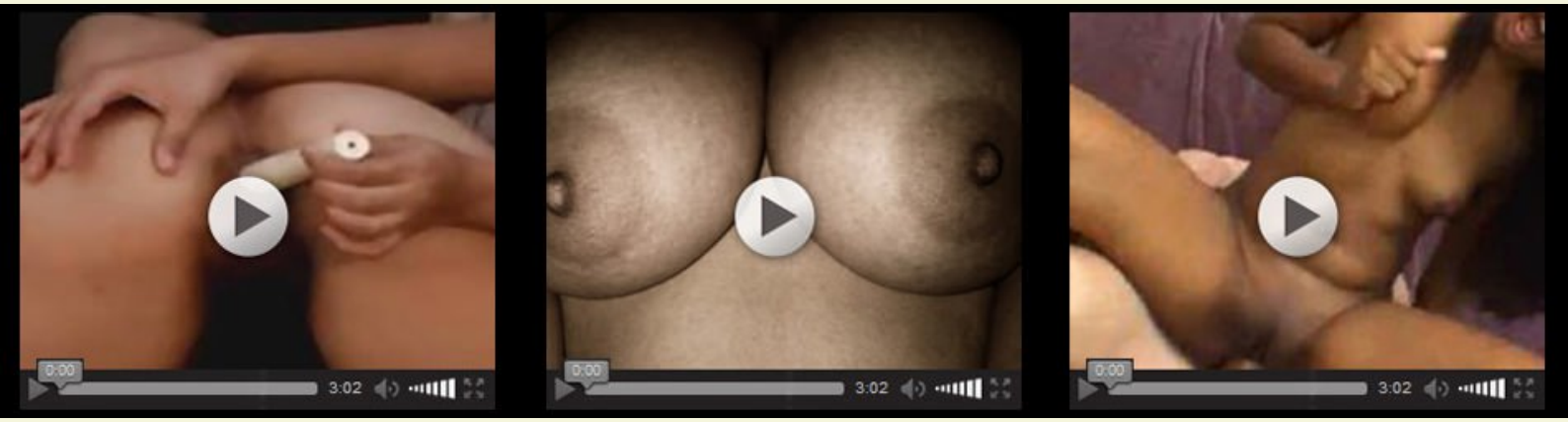

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Pinay Sex Stories

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Indian Phone Sex

URL: www.indianphonesex.com **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Bengali, Kannada, Gujarati, Marathi, Punjabi, Malayalam **Site type:** Phone sex **Target country:** India Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all Indian languages.

Desi Kahani

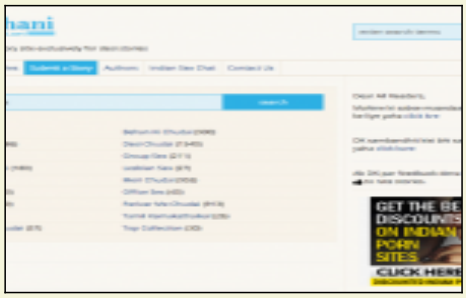

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Malayalam Sex Stories

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Desi Tales

URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire